वी.यू.– राष्ट्र ऋषि नानाजी देशमुखजी की 107 वीं जयंती मनाई गई

आज दिनांक 11/10/23 को नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय में भारत रत्न राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख की 107 वीं जयंती के अवसर पर नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवम् नानाजी देशमुख प्रशिक्षण एवम् शोध संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में "**ग्रामीण विकास माडल से समग्र आर्थिक विकास**" विषय पर विस्तृत व्याख्यान माला का आयोजन किया गया, यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. सीता प्रसाद तिवारी जी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय सभागार परिसर में संपन्न हुआ, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जबलपुर के प्रतिष्ठित चिकित्सक एवम् प्रान्त संघ चालक डॉ. प्रदीप दुबे, सारस्वत अतिथि के रूप में जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के मा. कुलपति प्रो. पी.के. मिश्र तथा रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र जी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे, कार्यक्रम का शुभारम्भ विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित नानाजी देशमुख की प्रतिमा में गणमान्य अतिथियों द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित कर एवम् सभागर में छायाचित्र समक्ष दीप प्रज्वलन तथा पुष्पांजलि अर्पण के साथ किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागत पुष्प कुछ शॉल एवं श्रीफल भेंट कर किया गया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो तिवारी जी ने राष्ट्र ऋषि नानाजी के ग्रामीण विकास माडल पर जोर देते हुए कहा कि ऐसे माडल वर्तमान परिदृश्यों में महत्वपूर्ण हो गए है, और सरकार भी किसानों की आय में वृद्धि के लिए इसी माडल को आधार

बनाकर समेकित कृषि प्रणाली जिसमे कृषि पशुपालन एवं मत्स्य पालन सहित, तकनीकी एवम् ग्रामीण क्षेत्रों में कौसल विकास जैसे मुख्य बिंदुओं पर केंद्रित होने के लिए निरंतर प्रयासरत है, कुलपति जी ने कहा की हमारे लिए यह सौभाग्य और गौरव का विषय है की विश्वस्तर पर ख्याति लब्ध प्रेरणा पुरुष राष्ट्र ऋषि नानाजी जी के शुभनाम से हमारे विश्वविद्यालय संस्थान का नाम आज देश भर में गौरांवित हो रहा है, अध्यक्ष महोदय ने विश्वविद्यालय स्तर पर चयनित छात्र को प्रतिवर्ष राष्ट्र ऋषि के नाम पर सम्मान पुरुस्कार देने की घोषणा भी की।

नानाजी देशमुख प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान के सचिव डॉ. आशीष मिश्रा ने संस्थान का परिचय एवं कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. प्रदीप दुबे, प्रांत संघचालक, महाकोशल प्रांत ने अपने उदबोधन मे कहा कि नानाजी देशमुख एक समर्पित राष्ट्र नायक थे। नानाजी ने ग्राम सुधार, कृषि, स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं स्वरोजगार के क्षेत्र मे व्यवहारिक कार्य किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. कपिल देव मिश्र, कुलपति, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर ने कहा कि नानाजी देशमुख ने प्राकृतिक चिकित्सा, योग, स्वरोजगार के माध्यम से ग्रामीण विकास की संकल्पना स्थापित की। कार्यक्रम के सारस्वत अतिथि प्रोफेसर पी.के. मिश्रा, कुलपति, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर ने कहा कि नानाजी देशमुख एक अवतारी पुरुष थे। उन्होंने ग्रामीण विकास का व्यवहारिक माडल दिया जो आज भी प्रासंगिक है।

इस सुअवसर पर नानाजी देशमुख प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान द्वारा जबलपुर स्थित तीन विश्वविद्यालय से करार (एम.ओ.यू.) किया गया जिसमें नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय तथा रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर शामिल हैं।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशीष मिश्रा एवं आभार कुलसचिव डॉ. श्रीकांत जोशी ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. श्री कांत जोशी जी, निदेशक अनुसन्धान डॉ. एस. एस. तोमर, प्रक्षेत्र प्रभारी डॉ. जी.पी. लखानी, उप कुलसचिव डॉ. रामकिंकर मिश्र, पशुचिकित्सा महाविद्यालय जबलपुर अधिष्ठाता डॉ. आर.के. शर्मा, डॉ. एस घोष, डॉ. अमित झा, डॉ. शयामांतक मणि त्रिपाठी, श्री सिद्धार्थ गौतम, आई पी आर ओ डॉ. सोना दुबे, डॉ. पूनम शाक्या, नानाजी देशमुख शोध एवम् प्रशिक्षण संस्थान के अधिकारीगण सहित विश्वविद्यालय के सभी उच्च अधिकारी एवम् कर्मचारी गण उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर